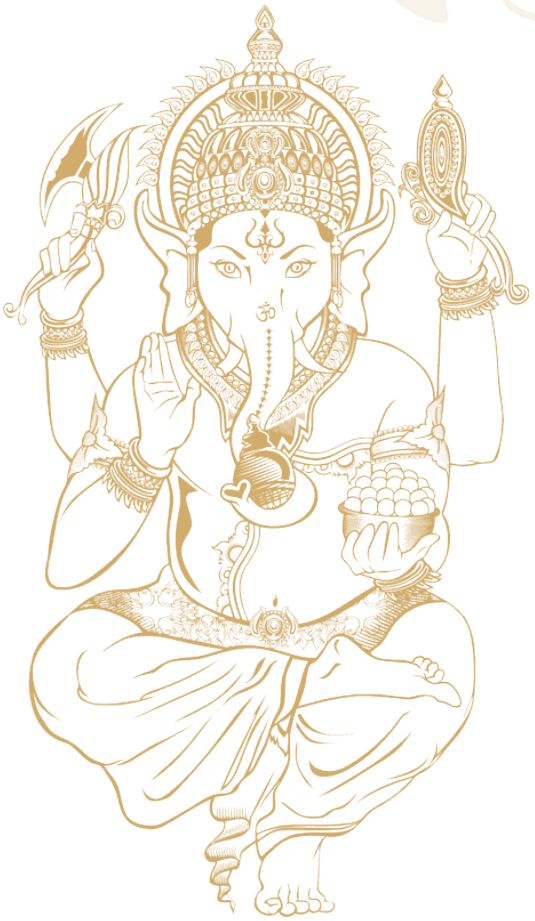

Puja

18 Feb 1984

07:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121840206

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18/02/1984**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**19:00:00 घंटे**
इष्ट	30:04:55 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:38:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:04 घंटे
साम्पातिक काल	04:29:42 घंटे
सूर्योदय	06:58:02 घंटे
सूर्यास्त	18:12:37 घंटे
दिनमान	11:14:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:27:15 कुम्भ
लग्न के अंश	16:32:11 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सुकर्मा
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेस्टी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	16:32:11	315:14:44	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			कुंभ	05:27:15	01:00:31	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	27:25:42	15:14:07	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			तुला	24:06:51	00:23:26	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध			मक	20:56:33	01:36:23	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			धनु	12:17:03	00:10:40	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	स्वराशि
शुक्र			मक	05:34:47	01:13:54	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि			तुला	22:43:17	00:00:38	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		वृष	18:52:19	00:10:12	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	18:52:19	00:10:12	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	19:34:02	00:01:31	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	07:15:44	00:01:24	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	08:26:37	00:00:30	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			वृष	15:29:19	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:53

लग्न-चलित

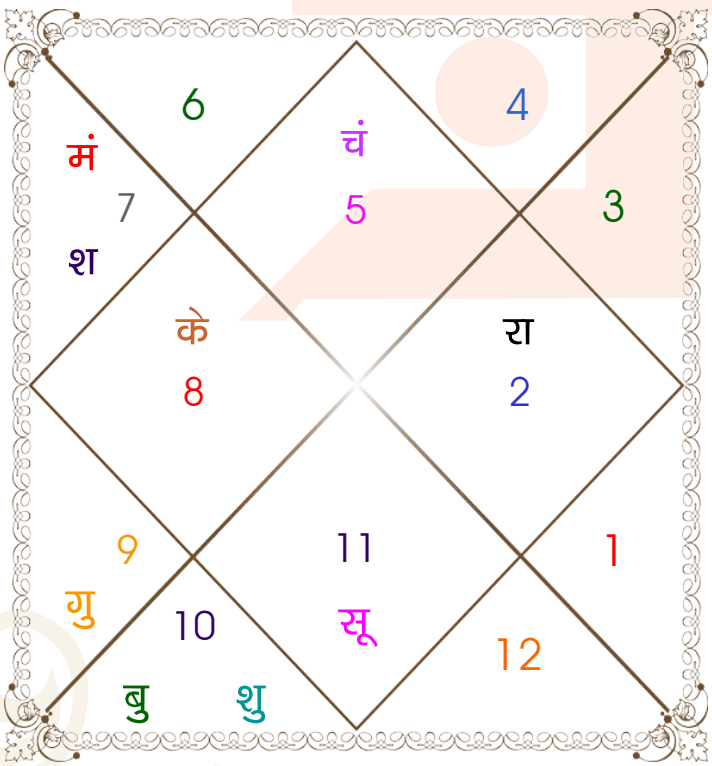

चन्द्र कुंडली

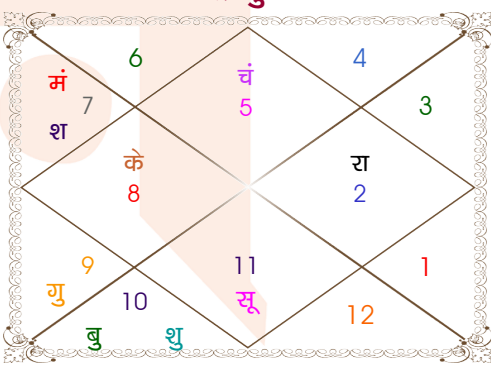

नवमांश कुंडली

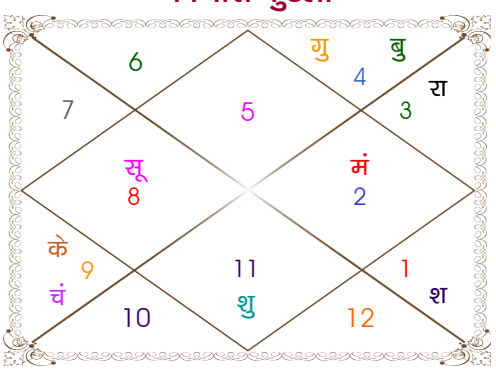

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 7 मास 26 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/02/1984		16/10/1989		16/10/1999		16/10/2006		15/10/2024	
16/10/1989		16/10/1999		16/10/2006		15/10/2024		15/10/2040	
	18/02/1984	चंद्र	16/08/1990	मंगल	13/03/2000	राहु	28/06/2009	गुरु	04/12/2026
चंद्र	03/08/1984	मंगल	17/03/1991	राहु	01/04/2001	गुरु	22/11/2011	शनि	16/06/2029
मंगल	09/12/1984	राहु	15/09/1992	गुरु	08/03/2002	शनि	28/09/2014	बुध	22/09/2031
राहु	03/11/1985	गुरु	15/01/1994	शनि	16/04/2003	बुध	16/04/2017	केतु	28/08/2032
गुरु	22/08/1986	शनि	16/08/1995	बुध	13/04/2004	केतु	04/05/2018	शुक्र	29/04/2035
शनि	04/08/1987	बुध	15/01/1997	केतु	09/09/2004	शुक्र	04/05/2021	सूर्य	15/02/2036
बुध	10/06/1988	केतु	16/08/1997	शुक्र	09/11/2005	सूर्य	29/03/2022	चंद्र	16/06/2037
केतु	15/10/1988	शुक्र	16/04/1999	सूर्य	17/03/2006	चंद्र	28/09/2023	मंगल	23/05/2038
शुक्र	16/10/1989	सूर्य	16/10/1999	चंद्र	16/10/2006	मंगल	15/10/2024	राहु	15/10/2040

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/10/2040		16/10/2059		15/10/2076		16/10/2083		17/10/2103	
16/10/2059		15/10/2076		16/10/2083		17/10/2103		00/00/0000	
शनि	19/10/2043	बुध	14/03/2062	केतु	13/03/2077	शुक्र	15/02/2087	सूर्य	04/02/2104
बुध	28/06/2046	केतु	11/03/2063	शुक्र	14/05/2078	सूर्य	15/02/2088	चंद्र	19/02/2104
केतु	07/08/2047	शुक्र	09/01/2066	सूर्य	18/09/2078	चंद्र	16/10/2089		00/00/0000
शुक्र	07/10/2050	सूर्य	15/11/2066	चंद्र	20/04/2079	मंगल	16/12/2090		00/00/0000
सूर्य	19/09/2051	चंद्र	16/04/2068	मंगल	16/09/2079	राहु	15/12/2093		00/00/0000
चंद्र	19/04/2053	मंगल	13/04/2069	राहु	03/10/2080	गुरु	15/08/2096		00/00/0000
मंगल	29/05/2054	राहु	31/10/2071	गुरु	09/09/2081	शनि	16/10/2099		00/00/0000
राहु	04/04/2057	गुरु	05/02/2074	शनि	19/10/2082	बुध	17/08/2102		00/00/0000
गुरु	16/10/2059	शनि	15/10/2076	बुध	16/10/2083	केतु	17/10/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 7 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको ह्रदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।